5. Fried-man's and Rosen-man's classification

→ मेयर फ्रेडमैन तथा रोजनमैन द्वारा प्रतिपादित यह ~~का~~ वर्गीकरण द्वारा यह ~~प्रतिपादित~~ व्यक्तियों को उनके व्यक्तित्व संबंधी गुणों के आधार पर दो प्रकारों या समूहों A तथा B में विभक्त करता है। यह बताने का प्रयत्न करता है। कि कौन से प्रकार (A type या B type) के व्यक्तियों में हृदय रोग से पीड़ित होने की संभावना अधिक रहती है। ~~हृदय रोग से पीड़ित होने की~~। हृदय रोग से ~~संबंधित~~ पीड़ित होने की संभावना अधिक रहती है हृदय रोग में अधिक प्रचलित तौर पर सामान्य बात यही है कि धमनियों तथा शिराओं (Arteries and veins) में जो कि रक्त वाहिनी नाड़ियाँ (Blood carrying nerves) होती है। रक्त के थक्के (Blots) बन जाते हैं। इसके कारण रक्त का बहाव रुक जाता है। इन नाड़ियों में रक्त के थक्के जमने के कारण रक्त में कोलेस्ट्रोल की मात्रा की अधिकता माना जाता रहा है। यह इस प्रकार से बताया जा सकता है – जैसे किसी पानी को निकाली के लिए नली में धीरे-धीरे इस प्रकार के पदार्थ जमा हो जाते हैं जो उस नली को घेरते ~~हैं~~ रहें तथा पानी निकलने के ~~लिए~~ रास्ते को बंद करते रहें। कोलेस्ट्रोल रक्त को गाढ़ा कर उसमें थक्के बनाकर रक्त के आने-जाने में आने-जाने में रुकावट करता है

जब हृदय को रक्त की उचित मात्रा मिलनी बंद हो जाती है तो उसका काम करना बंद हो जाना स्वाभाविक है Medical Science में होने वाले अनुसंधानों हृदय से रक्त न मिलने तथा उनका काम न करने का एक लक्षण 1955 में तलाश किया गया उन्होंने यह कारण तनाव और दबाव (strains and stresses) बताया। मेयर फ्रेडमैन तथा रोजनमैन ने अपने अध्ययनों के द्वारा इन चिकित्साशास्त्रियों की काफी मदद की। क्योंकि

Scanned with CamScanner